फर्द अहकाम

न्यायालय _____

उमेश _____ बनाम जयदेव _____

मुकदमा संख्या/वर्ष 64/2023 : _____/20

क्र0स0	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	30/8/24	पत्रावली पेश हो। वकील प्रार्थी उपस्थित अप्रार्थी सं0 1 से 4 व 6 उपस्थित अप्रार्थी सं0 2 व 3 को जवाब हेतु अवसर पश्चात आगामी पेशी पर अन्तिम रूप से जवाब 7-2 पेश करें वास्ते जवाब 7-2 दिनांक 11/9/24 को पेश हो। उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर)
	11/9/24	पत्रावली पेश हो। वकील उभयपक्ष उपस्थित अप्रार्थी सं0 2 व 3 ने जवाब पेश किया वास्ते जवाब 7-2 हेतु दिनांक 18/9/24 को पेश हो। उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर)
	18/9/24	पत्रावली पेश हो। वकील उभयपक्ष उपस्थित जवाब 7-2 न होने पर पत्रावली वास्ते आदेश दिनांक 25/9/24 को पेश हो। उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर)
	25/9/24	पत्रावली वास्ते आदेश प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा हेतु प्रस्तुत हुई। वकील उभयपक्ष से पत्रावली का अवलोकन करने पर सक्षम न्यायालय द्वारा जारी स्थगन आदेश दिनांक 14/6/2023 को मूल वाद के निस्तारण तक कायम किया जाता है। पत्रावली केवल प्रार्थना पत्र के संबंध में बाद पत्रावली [illegible] हो। उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर)

(2)

Tader 14/6/23

TWO RUPEES

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय सांगानेर

प्रार्थना पत्र संख्या 64 / 2023

1 उमेश पुत्र जयदेव

2 दीपक पुत्र जयदेव

3 हर्षित पुत्र जयदेव

समस्त जाति बागडा ब्राहमण, समस्त निवासीगण–ग्राम किशनपुरा उर्फ खातीपुरा तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान।

4 श्रीमती पूजा पत्नी श्री राजेश पुत्री जयदेव जाति बागडा ब्राहमण निवासी बागडा का मौहल्ला, बगरू तहसील सांगानेर ज़िला जयपुर प्रार्थीगण

बनाम

1. जयदेव पुत्र श्री छोटूराम
2. देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री छोटूराम
3. महेन्द्र कुमार पुत्र श्री छोटूराम

समस्त जाति बागडा ब्राहमण, समस्त निवासीगण–ग्राम किशनपुरा उर्फ खाती तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान।

4. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार तहसील सांगानेर जिला जयपुर।
5. उप पंजीयक द्वितीय सांगानेर तहसील सांगानेर जिला जयपुर अप्रा

प्रार्थना पत्र बाबत अस्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

मान्यवर,

प्रार्थीगण की ओर से प्रार्थना पत्र निम्न प्रकार से प्रस्तुत है कि :–

1 यह कि प्रार्थीगण द्वारा उपरोक्त उनवानी वाद बाबत घोषणा एवं स्थाई निषे ठोस एवं सुदृढ आधारो पर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया प्रार्थीगण को सफलता प्राप्त होने कि पूरी पूरी सम्भावना है।

प्रार्थी दीपक शर्मा हर्षित शर्मा

Signature Not Verified
Digitally signed by Himmat Singh
Date: 2025.04.02 12:53:39 IST
Reason: SelfAttested